कृषि विज्ञान केन्द्र, बरेली द्वारा माननीय प्रधानमंत्री के कर-कमलों से किसान सम्मान निधि के हस्तांतरण का सीधा प्रसारण

कृषि विज्ञान केन्द्र, भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज़्ज़तनगर बरेली द्वारा दिनाँक 01 जनवरी, 2022 को प्राकृतिक खेती विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर माननीय प्रधानमंत्री भारत सरकार श्री नरेन्द्र दामोदरदास मोदी जी के कर-कमलों से देश भर के किसानों के खातों में डिजिटल माध्यम से किसान सम्मान निधि तथा कृषक उत्पादक संघों के लिये सहायता राशि का हस्तांतरण किया गया। माननीय प्रधानमंत्री महोदय जी ने देशवासियों को बधाई देते हुये जानकारी दी कि पूरा विश्व आश्चर्यचकित है कि किस प्रकार भारतवासियों ने सीमित संसाधनों के होते हुये कोरोनाकाल में होने वाली क्षति को न्यूनतम स्तर पर रोका और उसके पश्चात कितनी तेजी से पुनः उठकर विश्व में विकास कि उच्चतम गति को प्राप्त किया। उन्होंने देशभर में केन्द्र सरकार द्वारा चलायी जा रही समस्त योजनाओं का जिक्र करते हुये इनमें बड़ी संख्या में जुड़े लाभार्थियों कि भी चर्चा की। प्रधानमंत्री ने देशभर में जैविक या प्राकृतिक खेती कर रहे कृषकों तथा कृषक उत्पादक संघों के प्रतिनिधियों से वार्ता की जिसमें कृषक उत्पादक संघों के प्रतिनिधियों ने बताया की किस प्रकार वे कृषक उत्पादक संघों के माध्यम से छोटे तथा मझोले किसानों के सीमित संसाधनों के द्वारा प्राकृतिक खेती से गुणवत्तापूर्ण खाद्य उत्पाद तैयार करके उसका बेहतर ढंग से विपणन करके सदस्य किसानों की आय को दोगुना से भी अधिक बढ़ाने में सफल हुये हैं।

कृषि विज्ञान केन्द्र के विषय विशेषज्ञ श्री राकेश पाण्डे ने प्रशिक्षण में जानकारी देते हुये प्रशिक्षणार्थियों को प्राकृतिक खेती और जैविक खेती में अन्तर को समझाते हुये प्राकृतिक खेती के विभिन्न अवयवों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आज कृषि में रसायनों के अंधाधुन्ध प्रयोग के कारण हम दूषित खाद्य पदार्थों को खाने के लिये मजबूर है साथ ही इससे पर्यावरण प्रदूषण की समस्या भी अत्याधिक बढ़ रही है जो मृदा, पीने के पानी, वायु, जल जीवन आदि को क्षति पहुँचा रही है। इन सभी समस्याओं के समाधान के लिये एक ही विकल्प है जैविक या प्राकृतिक खेती। श्री रंजीत सिंह विषय विशेषज्ञ ने प्राकृतिक खेती की तकनीकी जानकारी देते हुये पंचगव्य, जीवमृत, घनजीवामृत आदि बनाने के सम्बन्ध में विस्तार से जानकारी दी।

कृषि विज्ञान केन्द्र, बरेली के अध्यक्ष डॉ॰ ब्रजपाल सिंह ने समय की आवश्यकता और बाजार में बढ़ती माँग के आधार पर कृषकों से प्राकृतिक खेती करने का आवाहन किया तथा कृषक उत्पादक संघ का गठन करके अपने कण लागत में खेती और बेहतर मूल्य पर उत्पादों के विक्रय के लिए किसानों को प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर उपस्थित कृषकों तथा कृषक महिलाओं को कृषि विज्ञान केन्द्र का भ्रमण भी कराया गया । कार्यक्रम में कुल ५२ कृषक 17 महिला कृषक तथा 12 स्टाफ सदस्यों ने भागीदारी की।